# इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA, RAIPUR (CHHATTISGARH)

# IGKV वार्ता Newsletter

अक्टूबर से दिसंबर 2025 | www.igkv.ac.in | October-December, 2025


## कुलपति की कलम से . . .

## From the Vice-Chancellor's Desk . . .

छत्तीसगढ़ ने चावल उत्पादन में योगदान देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हमारे राज्य की हिस्सेदारी बढ़ रही है। लेकिन तेजी से बदलते वैश्विक जलवायु हालात टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं। अनियमित बारिश के कारण शायद पर्याप्त पानी न मिल पाए, क्योंकि हमारे राज्य में ज्यादातर चावल की फसल मानसून पर निर्भर है।

इस स्थिति को देखते हुए, हमें फसल विविधीकरण के साथ टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों की जरूरत है। बागवानी फसलें, फसल विविधीकरण के लिए एक अच्छा विकल्प हैं क्योंकि लोगों की बदलती खान-पान की आदतों के कारण इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ रही है। साथ ही, ये फसलें जल्दी खराब होने वाली होती हैं, इसलिए इन्हें लंबे समय तक स्टोर करके नहीं रखा जा सकता। इसके अलावा, स्टोरेज और लंबी दूरी तक ट्रांसपोर्टेशन से भी ग्राहकों के लिए इनकी कीमत बढ़ जाती है। इसलिए, हर खेत के कम से कम 10 से 20 प्रतिशत हिस्से में बागवानी फसलों का उत्पादन किया जाना चाहिए। इससे न केवल नियमित आय सुनिश्चित होगी, बल्कि किसान परिवार की पोषण सुरक्षा भी बनी रहेगी।

उद्यानिकी उत्पादन प्रणाली में धान के खेतों की मेड़ों पर फलों के पेड़ों को सूझबूझ से लगाया जाना चाहिए। साथ ही, फलों के पेड़ों को लगाने के तरीके में बदलाव किया जाना चाहिए ताकि दो कतारों के बीच सब्जियों, कंद-मूल और फूलों जैसी अलग-अलग फसलें उगाई जा सकें, जिससे किसान परिवार को हर हफ्ते, हर पखवाड़े और हर महीने नकद आय होती रहे। आय का नियमित प्रवाह नई पीढ़ी को खेती से जोड़े रखेगा। पारंपरिक जैविक खेती के तरीकों के साथ-साथ ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और फर्टिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल खेती की लागत को कम करेगा और टिकाऊ आय सुनिश्चित करेगा। मौजूदा वैश्विक जलवायु चुनौतियों के दौर में खेती का भविष्य यही है।

**डॉ. गिरीश चंदेल**

Chhattisgarh has made a distinct identity at national level by contribution of rice production and share of our state is increasing in trading both at a national and international market. But due to fast changing global climate, scenario indicates shifting towards sustainable production systems. As the erratic rainfall pattern may not provide sufficient water because most of the rice crop in our state is dependent on mansoon.

In view of this situation, we need sustainable production systems with crop diversification. The horticultural crops provide a good alternative for crop diversification as demand of these crops is increasing day by day due to changing food habits of the people. Further, these crops are of perishable nature hence cannot be stored for longer duration. Moreover, storage and long distance transport also add on to the prices of purchase by the consumers. Therefore, atleast 10 to 20 percent area of every farm must be dedicated to the production of horticultural crops. This will not only ensure regular income but also nutritional security of the farming family.

The horticultural production system should have judicious plantation of fruit crops on the paddy bunds. Further, the planting system of fruit trees should be modified so that different intercrops of vegetable, tubers, flowers can be taken between two rows resulting in cash income flow to the farming family on weekly, fortnightly and monthly basis. The regular flow of income will result in retaining new generation in the farming. The use of modern technologies of drip, mulching, fertigation in combination with traditional organic farming practices will reduce cost of cultivation and ensuring sustainable income. This is the future of farming in the present global climatic challenges.

**Dr. Girish Chandel**

# प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 13 नवम्बर, 2025 को प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने संगोष्ठी का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल उपस्थित थे। प्राकृतिक खेती पर आयोजित इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषकों एवं कृषि विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, महत्व, इससे होने वाले लाभ तथा विधियों से अवगत कराया गया। संगोष्ठी में तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें प्राकृतिक खेती के अनुभव, भारत में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता एवं महत्व, प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटक, प्राकृतिक खेती का आधार - गौ पालन, प्राकृतिक खेती के लाभ, प्राकृतिक खेती के सिद्धांत एवं अवधारणा, प्राकृतिक खेती में पशुधन की उपयोगिता एवं महत्व तथा छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं आदि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सारगर्भित जानकारी दी।

इसके साथ ही इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं नेशनल कॉलीशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक खेती के संबंध में कृषकों एवं विभिन्न जिलों के नोडल अधिकारियों के साथ चर्चा कर उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया गया।

# National Seminar on Natural Farming

A one-day National Seminar on Natural Farming was organized on 13 November 2025, jointly by of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya and the Departments of Agriculture Development & Farmers' Welfare and Biotechnology, Government of Chhattisgarh. The seminar was inaugurated by the Governor of Chhattisgarh, Shri Ramen Deka.

The programme was presided over by the Chief Minister, Shri Vishnu Deo Sai, with the Agriculture Minister, Shri Ramvichar Netam, and the Vice-Chancellor, Dr. Girish Chandel, attending as special guests. During the seminar, farmers and field-level functionaries of the Agriculture Department was informed about the concept of natural farming, its importance, benefits, and methods.

The seminar also included three technical sessions, during which experts provided in-depth information on topics such as experiences of natural farming, the need for and importance of natural farming in India, various components of natural farming, the foundation of natural farming—cattle rearing, benefits of natural farming, its principles and concepts, the utility and importance of livestock in natural farming, and the prospects of natural farming in Chhattisgarh. In addition, scientists from IGKV and experts from the National Coalition for Natural Farming will interacted with farmers and nodal officers from various districts, addressing their queries and resolving their problems related to natural farming.

# डॉ. रत्ना नशीने राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र की अधिष्ठाता डॉ रत्ना नशीने ने एक बार फिर पूरे देश में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रत्ना नशीने ने अपने समर्पण, सेवा और कर्मनिष्ठा से प्रदेश का नाम रोशन किया है। राष्ट्रपति भवन, न्यू दिल्ली में 9 अक्टूबर 2025 को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें "MY Bharat NSS राष्ट्रीय पुरस्कार (2022-23)" से सम्मानित किया। पुरस्कार के रूप में कृषि महाविद्यालय नारायणपुर को 2.50 लाख रुपए और कार्यक्रम अधिकारी डॉ रत्ना नशीने को 1.50 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। प्रोग्राम ऑफिसर डॉ रत्ना नशीने एवं टीम ने विगत वर्षों में नारायणपुर और ओरछा ब्लॉक के सुदूर आदिवासी ग्रामों में अनेकों जागरूकता कार्यक्रम चलाए।

# Dr. Ratna Nashine Felicitated by President

Dr. Ratna Nashine, Dean, College of Agriculture and Research Centre in the Naxal-affected Narayanpur district of Chhattisgarh, has once again unfurled the flag of her talent across the entire country. As a Programme Officer of the National Service Scheme (NSS), Dr. Ratna Nashine has brought glory to the state through her dedication, service, and commitment to duty. At a ceremony held on 9 October, 2025 at Rashtrapati Bhavan, New Delhi, the Hon'ble President of India, Smt. Droupadi Murmu, honoured her with the "National Award for Best NSS Programme Officer (2022–23)".

As part of the award, the College of Agriculture, Narayanpur, was granted ₹2.50 lakh, and Programme Officer Dr. Ratna Nashine received a cash award of ₹1.50 lakh. Over the past several years, Programme Officer Dr. Ratna Nashine and her team conducted numerous awareness programmes in the remote tribal villages of Narayanpur and Orchha blocks.

# स्वास्थ के लिएश्री अन्न अनिवार्य: डॉ खादर वली

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं कृषक कल्याण परिषद (छ.ग.) के सयुक्त तत्वाधान में "श्री अन्न (मिलेट) की उपयोगिता विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन सेमिनार हाल, कृषि महाविद्यालय रायपुर में 14 अक्टूबर, 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम में पदम् श्री डॉ. खादर वली, (मिलेट मैन ऑफ़ इंडिया) ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर संकाय सदस्यों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र चंद्रवंशी, अध्यक्ष, कृषक कल्याण परिषद (छ.ग.) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आरती गुहे, अधिष्ठाता, डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवाये एवं डॉ. एस एस टुटेजा, निर्देशक विस्तार सेवायें उपस्थित थे। मुख्य वक्ता पदम् श्री डॉ. खादर वली ने अपने संबोधन में बताया कि भारत में एक समय श्री अन्न (मिलेट्स) का व्यापक रूप से उत्पादन और उपभोग किया जाता था। ये फसलें न केवल जलवायु के अनुरूप होती हैं, बल्कि बहुत कम पानी एवं उर्वरकों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। उन्होंने बताया कि हरित क्रांति के पश्चात गेहूं और धान की ओर झुकाव बढ़ा, जिससे पारंपरिक फसलों की अनदेखी हुई तथा किसानों के अधिकार भी प्रभावित हुए, परंतु मिलेट्स को अपनाकर हम एक बार फिर सतत कृषि प्रणाली को सशक्त बना सकते हैं। श्री अन्न के स्वास्थ्य पर प्रभाव के संदर्भ में डॉ खादर वली ने बताया कि मिलेट्स में प्राकृतिक रेशे (फाइबर) की मात्रा अधिक होती है, जो पाचनतंत्र के लिए लाभकारी है और शुगर, हृदय रोग जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार है। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक संकाय सदस्य, शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

# Shree Anna
## Compulsory for Health: Dr. Khader Vali

A special lecture on the topic "Usefulness of Shree Anna (Millets)" was organized 14 October, 2025 at the Seminar Hall, College of Agriculture, Raipur, under the joint auspices of IGKV, Raipur and the Krishak Kalyan Parishad (Chhattisgarh). Padma Shri Dr. Khader Vali (the *Millet Man of India*) was present as the chief speaker and addressed faculty members, research scholars, and students. The programme was chaired by Shri Surendra Chandravanshi, Chairman, Krishak Kalyan Parishad (Chhattisgarh). The distinguished guests included Dr. Arti Guhey, Dean, Dr. Vivek Kumar Tripathi, Director Research Services, and Dr. S. S. Tuteja, Director Extension Services. In his address, Padma Shri Dr. Khader Vali explained that at one time in India, Shree Anna (millets) were widely cultivated and consumed. These crops are not only climate-resilient but also provide good yields with very little water and fertilizers. He further stated that after the Green Revolution, the focus shifted heavily towards wheat and rice, leading to the neglect of traditional crops and adversely affecting farmers' rights. However, by adopting millets once again, a sustainable agricultural system can be strengthened. Highlighting the health benefits of Shree Anna, Dr. Khader Vali said that millets are rich in natural dietary fibre, which is beneficial for the digestive system and helps in controlling diseases such as diabetes and heart ailments. More than 200 faculty members, research scholars, and students were present at the programme.

# “वंदे मातरम” समारोह का सीधा प्रसारण

मां भारती को समर्पित राष्ट्रगीत “वन्देमातरम” की 150वीं वर्षगाठ के शुभ अवसर पर 7 नवंबर 2025 को कृषि महाविद्यालय रायपुर में राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माननीय प्रधानमंत्री जी के संबोधन के सीधे प्रसारण के साथ हुआ। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित इस प्रसारण कार्यक्रम में डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर संचालक, अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री जी के विचारों को आत्मसात करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के उपरांत महाविद्यालय के अधिष्ठाता, प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक “वंदे मातरम” का गायन किया। अंत में डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने सभी को इस ऐतिहासिक अवसर पर बधाई देते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

# Live telecast of “Vande Mataram” celebration

On the auspicious occasion of the 150th anniversary of the national song “Vande Mataram,” dedicated to Mother India, a live broadcast of a national program was organized on 7th November 2025 at the College of Agriculture, Raipur, from 10:00 a.m. to 11:00 a.m. The program began with the live telecast of the address by the Honorable Prime Minister.

The broadcast program, held in the seminar hall of the College of Agriculture, Raipur, was attended with great enthusiasm by Dr. Aarti Guhe, Dean, CoA, Raipur; Dr. Sanjay Sharma, DSW; officers and staff members; and more than 200 undergraduate, postgraduate, and Ph.D. students. On this occasion, the Director, Deans, HoDs, faculty members, and students imbibed the Prime Minister’s thoughts and reaffirmed the pledge of “Ek Bharat, Shreshtha Bharat”.

After the live broadcast, the Dean, faculty members, scientists, and students of the college enthusiastically sang “Vande Mataram.” In the concluding remarks, Dr. Sanjay Sharma, DSW, congratulated everyone on this historic occasion and inspired them to actively participate in nation-building.

# जैव नियंत्रकों के उपयोग पर कार्यशाला

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में “जैवनियंत्रण एजेंट्स के व्यापक प्रसार पर हैंड्स-ऑनट्रेनिंग का आयोजन छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर के वित्तीय सहयोग से 11 नवंबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने छात्रों को कृषि के बदलते स्वरूप और जैविक उपायों के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. चंदेल ने कहा कि हमें ब्राज़ील के उदाहरण से सीखना चाहिए, जहाँ मच्छरों के नियंत्रण के लिए जैव नियंत्रण एजेंट्स का सफल उपयोग किया गया है। उन्होंने रासायनिक पदार्थों के उपयोग को कम करने और सामुदायिक स्तर पर जैविक नियंत्रण के उपाय अपनाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में डॉ. संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि आज की कृषि पूरी तरह बाजार-केन्द्रित हो चुकी है, और जैव नियंत्रण एजेंट्स उद्यमिता के लिए एक उत्कृष्ट मंच साबित हो सकते हैं। डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे आज अर्जित किए गए ज्ञान को आगे साझा करने के माध्यम बनें, ताकि यह जानकारी समाज के अन्य सदस्यों तक पहुँच सके। छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रतिनिधि डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे शोध एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन बार-बार किया जाना चाहिए, जिससे छात्रों के साथ-साथ कृषक समुदाय को भी नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं भी मौजूद थे। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 20 विभिन्न महाविद्यालयों से 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों के लिए न केवल एक शैक्षणिक अनुभव रहा, बल्कि टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी साबित हुआ।

# Workshop on Use of Bio-control Agents

A hands-on training program on the “Large-Scale Dissemination of Biocontrol Agents” was organized at the Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur, with financial support from the Chhattisgarh Council of Science and Technology (CGCOST), Raipur on 11th November 2025. During the program, various experts acquainted students with the changing nature of agriculture and the importance of biological approaches. Vice-Chancellor, Dr. Girish Chandel, was present as the chief guest. Dr. Chandel stated that India should learn from the example of Brazil, where biocontrol agents have been successfully used for mosquito control. He emphasized reducing the use of chemical substances and called for adopting biological control measures at the community level.

During the workshop, Dr. Sanjay Sharma, Dean Students Welfare, said that modern agriculture has become entirely market-oriented, and biocontrol agents can prove to be an excellent platform for entrepreneurship. Dr. Arti Guhey, Dean, College of Agriculture, Raipur, urged students to act as carriers of the knowledge gained and to disseminate it further so that it can reach other members of society.

Representing the Chhattisgarh Council of Science and Technology (CGCOST), Dr. Akhilesh Tripathi stated that such research and training programs should be organized repeatedly so that not only students but also the farming community can gain information about new technologies. Dr. S. S. Tuteja, Director Extension Services, was also present at the program. In this important training workshop, more than 150 students from 20 different colleges across Chhattisgarh participated enthusiastically. This training program proved to be not only an academic experience for the students but also an inspiring step toward sustainable agriculture and environmental conservation.

# पूर्वी-क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय रायपुर में पूर्वी क्षेत्रीय अन्तर्महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2025 संपन्न हुई। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय रायपुर, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर, कृषि महाविद्यालय, महासमुंद, कृषि महाविद्यालय भाटापारा, कृषि महाविद्यालय, मर्रा, पाटन तथा कृषि महाविद्यालय, गरियाबंद के 250 प्रतिभागी शामिल थे।

समारोह की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। 19 से 21 नवम्बर, 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न क्रीड़ा स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लम्बी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्क थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, हर्डल दौड़ तथा 4×100 मीटर एवं 4×400 मीटर रिले दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। सामूहिक स्पर्धाओं के अंतर्गत वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का बहुत महत्व है। इससे शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बनता है एवं बच्चों में टीम स्पिरिट तथा खिलाड़ी भावना का विकास होता है जो भविष्य में उन्हें सफल एवं अनुशासित नागरिक बनने में योगदान देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आव्हान किया कि वे अपनी पूरी क्षमता तथा मेहनत के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा सफलता अर्जित करें। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट भी किया।

# East Zone Sports Meet-2025

The Eastern Regional Inter-College Sports Meet 2025 held at the College of Agriculture, Raipur, under IGKV. The Vice-Chancellor, Dr. Girish Chandel, inaugurated the Eastern Regional Inter-College Sports Meet. A total of 250 participants from the College of Agriculture, Raipur, Swami Vivekanand College of Agril. Engg., Raipur, College of Food Tech., Raipur, College of Agriculture-Mahasamund, College of Agriculture-Bhatapara, College of Agriculture-Marra (Patan) and College of Agriculture-Gariaband participated in the event. The inaugural ceremony was presided over by the Dean of Student Welfare, Dr. Sanjay Sharma. This three-day sports meet, 19 to 21 November 2025, included various sporting events. Individual events comprise long jump, high jump, triple jump, javelin throw, shot put, discus throw, 100 meters, 200 meters, 400 meters, 800 meters, 1500 meters, hurdle races, and 4×100 meters and 4×400 meters relay races. Team events included volleyball, kho-kho, kabaddi, badminton, and table tennis.

While inaugurating the sports meet, Vice-Chancellor Dr. Girish Chandel interacted with the participants and encouraged them, stating that sports hold great importance in student life. Sports help keep the body healthy and strong and develop team spirit and sportsmanship among students, which contribute to shaping them into successful and disciplined citizens in

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 19 से 21 नवम्बर 2025 तक आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कृषि महाविद्यालय, रायपुर के स्पार्ट्स कॉम्पलैक्स में किया गया। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी रायपुर, डॉ. अजय वर्मा उपस्थित थे। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, रायपुर ओवर ऑल चैम्पियन रहा। कृषि महाविद्यालय, भाटापारा ओवर ऑल द्वितीय स्थान पर एवं कृषि महाविद्यालय, गरियाबंद ओवर ऑल तृतीय स्थान पर रहा।

the future. He urged the participants to take part in the competition with full dedication and effort and strive for success. As the chief guest. On this occasion, players from all participating teams also presented an impressive march past.

The Eastern Regional Inter-College Sports Meet, held from 19 to 21 November 2025 at IGKV, Raipur, concluded today with a valedictory and prize distribution ceremony at the Sports Complex of the College of Agriculture, Raipur.

On the occasion of the closing ceremony, the chief guest was the Registrar, IGKV, Dr. Kapil Dev Deepak. The program was presided over by Dr. Aarti Guhe, Dean, College of Agriculture, Raipur. Distinguished guests present on the occasion included Dr. S. S. Tuteja, DES, and Dr. Ajay Verma, Dean, College of Ag. Engg., Raipur.

In the Eastern Regional Inter-College Sports Meet, the College of Agriculture, Raipur, emerged as the overall champion. The College of Agriculture, Bhatapara, secured the overall second position, while the College of Agriculture, Gariaband, stood overall third.

# विश्वविद्यालयीन खेलकूद स्पर्धा-2025

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि हर खिलाडी में एक चैम्पियन होता है, बस उस चैम्पियन का प्रोत्साहित करने और उसे बाहर लाने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि खेल-कूद प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में छिपे चैम्पियन को बाहर लाने में मददगार होती हैं। डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों में अंतर्निहित खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। डॉ. चंदेल ने 8 दिसंबर 2025 को कृषि विश्वविद्यालय के स्पोर्टस काम्प्लेक्स में विश्वविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया।

विश्वविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता - 2025 में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व, पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण जोन के अंतर्गत आने वाले समस्त महाविद्यालयों के 160 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। 08 से 11 दिसम्बर, 2025 तक आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न क्रीड़ा स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस विश्वविद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लम्बी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, भाला

# University Level Sports Meet- 2025

Dr. Girish Chandel, Vice-Chancellor, IGKV, said that every player has a champion within them; all that is needed is to encourage and bring out that champion. He said that sports competitions help in bringing out the hidden champion in students. Dr. Chandel said that the agricultural university is making every possible effort to encourage the inherent sporting talent in students.

Dr. Chandel was inaugurating the University Sports Competition 2025 at the university's sports complex on 8th December 2025. The University Sports Competition - 2025 includes 160 participants from all the colleges under the East, West, North, and South zones of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur. Various sporting events are being organized under this three-day university sports competition, which was held from December 8 to 11, 2025.

The individual events in this university-level sports competition include long jump, high jump, triple jump, javelin throw, shot put, discus throw, 100 meters, 200

फेंक, गोला फेंक, डिस्क थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, हर्डल दौड़ तथा 4×100 मीटर एवं 4×400 मीटर रिले दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सामूहिक स्पर्धाओं के अंतर्गत वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

चार दिवसीय खेल कुम्भ के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस.एस. सेंगर ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। इस विश्वविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व, पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण जोन के अंतर्गत आने वाले समस्त महाविद्यालयों के 160 प्रतिभागी शामिल हुए। विश्वविद्यालयीन खेल कुम्भ में ईस्ट जोन 174 अंक प्राप्त कर ओवर ऑल चैम्पियन रहा, वहीं 91 अंक के साथ साऊथ जोन ओवर ऑल रनर अप रहा। सर्वश्रेष्ठ बालिका एथलीट का खिताब ईस्ट जोन की कुमारी संध्या नेताम तथा सर्वश्रेष्ठ बालक एथलीट का खिताब ईस्ट जोन के ही श्री कुनाल रावटे को प्रदान किया गया। समारोह में कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.

अजय वर्मा, निदेशक शिक्षण डॉ. ए.के. दवे, भी मौजूद थे। समापन समारोह में विभिन्न खेल स्पर्धाओं के निर्णायकगणों टीम मैनेजरों तथा आयोजन समिति के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल होने वाले समस्त चार जोन के खिलाड़ी टीम मैनेजर, रैफरी, शिक्षकगण अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. आर.के. ठाकुर ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

meters, 400 meters, 800 meters, 1500 meters, hurdle race, and 4x100 meters and 4x400 meters relay races. The team events include volleyball, kho-kho, kabaddi, badminton, and table tennis competitions.

Dr. S.S. Sengar, the chief guest at the closing ceremony, honored the winning participants in various sports events with awards and certificates. The program was presided over by the Dean of Student Welfare, Dr. Sanjay Sharma. 160 participants from all the colleges under the East, West, North, and South zones of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya participated in this university sports competition. The East Zone emerged as the overall champion with 174 points, while the South Zone secured the overall runner-up position with 91 points. The title of Best Female Athlete was awarded to Ms. Sandhya Netam from the East Zone, and the title of Best Male Athlete was awarded to Mr. Kunal Rawte, also from the East Zone. Dr. Arti Guhey, Dean, College of Agriculture, Raipur, Dr. Ajay Verma, Dean, College of Agril. Engg. and Dr. A.K. Dave, DI, were also present at the closing ceremony. The judges of the

various sports events, team managers, and members of the organizing committee were also honored at the closing ceremony. Players, team managers, referees, teachers, officers, and staff from all four zones participating in the university sports competition were present on this occasion. At the end of the program, the Organizing Secretary, Dr. R.K. Thakur, expressed his gratitude to the guests.

# कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्यशाला

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों में वर्ष 2026 में संचालित किये जाने वाले कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं कृषक प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने हेतु निदेशालय विस्तार सेवाएं के सभा कक्ष में 16 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कामधेनु पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग के एकमात्र कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा विषयवस्तु विशेषज्ञ शामिल हुए। शुभारंभ सत्र के मुख्य अतिथि संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. वी.के. त्रिपाठी थे एवं अध्यक्षता निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा ने की। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आगामी वर्ष में संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषकों के खेतों पर आयोजित होने वाले प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रस्तुत कार्य योजना के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

# Workshop of Krishi Vigyan Kendra

A two-day workshop was inaugurated on 16th December 2025 in the conference hall of the Directorate of Extension Services to prepare the annual action plan for the programs, activities, and on-farm demonstrations to be conducted in the year 2026 at all KVKs operating under Indira Gandhi Agricultural University. This workshop was attended by the Heads, Senior Scientists, and Subject Matter Specialists of all 27 KVKs run by IGKV, along with the representatives of the sole KVK of Kamdhenu Veterinary University, Anjora, Durg. The chief guest of the inaugural session was Dr. V. K. Tripathi, DRS and the session was presided over by Dr. S. S. Tuteja, DES. On the first day of the workshop, various KVKs presented their action plans for the field demonstrations to be organized in the coming year at their respective KVKs and on farmers' fields.

Heads of departments and senior scientists from different university departments provided necessary guidance regarding the action plans presented by the KVKs. Scientists from the ICAR–Agricultural Technology Application Research Institute, Jabalpur, also participated in the workshop.

# धान की किस्मों के संरक्षण का पंजीयन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर को पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संजीवनी धान, छत्तीसगढ़ धान 1919, छत्तीसगढ़ संकर धान 2, बौना लुच्चई, ट्राम्बे छत्तीसगढ़ सोना गाठी, छत्तीसगढ़ भव्या धान प्रजातियों के संरक्षण एवं संवर्धन के अधिकार प्राप्त हुए हैं। 18 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्रा द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को इन किस्मों के पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पौधा किस्म संरक्षण के रजिस्ट्रार जनरल डॉ. दिनेश अग्रवाल एवं रजिस्ट्रार श्री दीपक राय

# Registration of Protection Rights for Rice Varieties

IGKV, Raipur, has been granted the rights for protection and promotion of six rice varieties Sanjeevani Rice, Chhattisgarh Rice 1919, Chhattisgarh Hybrid Rice 2, Bauna Luchchai, Trombay Chhattisgarh Sona Gathi, and Chhattisgarh Bhavya Rice by the Plant Variety Protection and Farmers' Rights Authority (PPVFRA), Government of India, New Delhi.

At a ceremony held on 18th December 2025 in New Delhi, the Chairman of the Plant Variety Protection and Farmers' Rights Authority, Dr. Trilochan Mahapatra, presented the registration certificates of these varieties to the Vice-Chancellor, IGKV, Dr. Girish Chandel. On this occasion, the Registrar General of the Authority, Dr. Dinesh Agrawal, Registrar Shri Deepak Rai Chaudhary,

चौधरी एवं नोडल ऑफिसर डॉ. दीपक शर्मा, भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार प्राधिकरण में किसी किस्म को पंजीकृत कराने से प्रजनक और किसान दोनों को बौद्धिक संपदा अधिकार मिलते हैं, जिससे उन्हें अपनी नई किस्मों के उत्पादन, बिक्री और मार्केटिंग पर 15-18 साल के लिए विशेष अधिकार मिलते हैं, किसानों को उनके पारंपरिक ज्ञान और किस्मों के संरक्षण के लिए मान्यता मिलती है, और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, जिससे कृषि क्षेत्र में नवाचार और निवेश को बढ़ावा मिलता है।

and Nodal Officer Dr. Deepak Sharma were also present. It is noteworthy that registration of a variety with the Plant Variety Protection and Farmers' Rights Authority (PPVFRA) provides intellectual property rights to both breeders and farmers. This grants them exclusive rights for 15–18 years over the production, sale, and marketing of new varieties; recognizes farmers for conserving their traditional knowledge and varieties; and ensures the availability of high-quality seeds, thereby promoting innovation and investment in the agricultural sector.

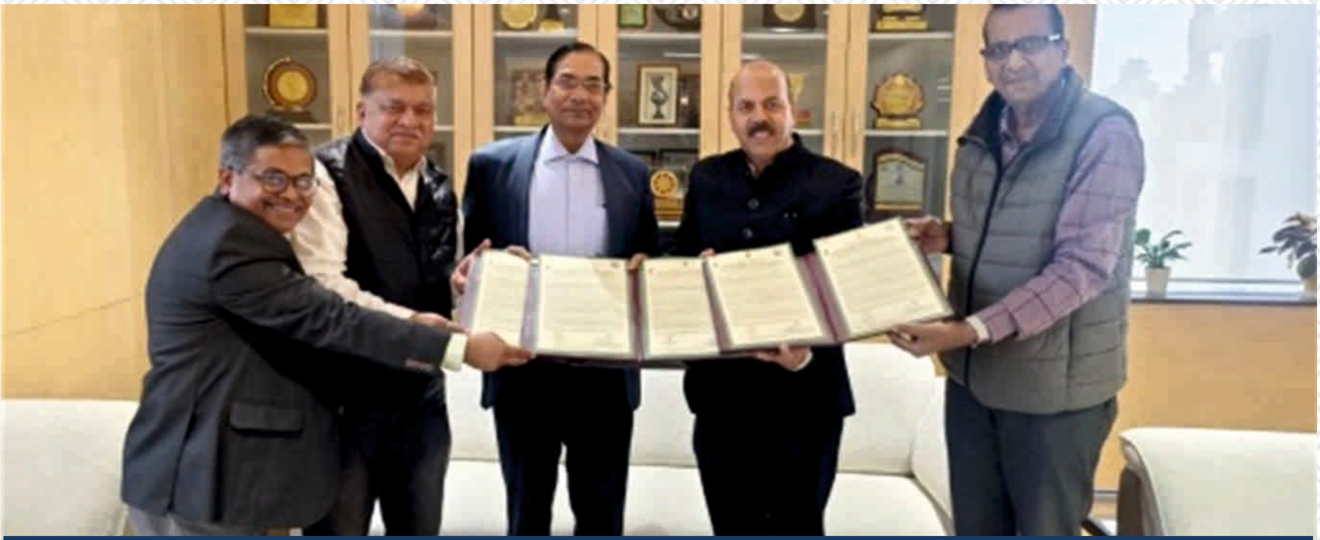

# मत्स्य पालन प्रशिक्षण

# Fish Farming Training

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के द्वारा तीन दिवसीय 'मिश्रित मत्स्य पालन' विषय पर प्रशिक्षण का 28 नवंबर 2025 को आयोजन हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अलग- अलग जिलों से कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजय कुमार वर्मा, अधिष्ठाता, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, रायपुर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गौतम रॉय ने अपने उदबोधन में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में चल रही मछली पालन की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एस. सासमल ने अपने उद्बोधन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान 'मिश्रित मत्स्य पालन पद्धति' विषय पर तैयार तकनीकी बुलेटिन का विमोचन किया गया।

A three-day training program on "Composite Fish Farming" organized by the Krishi Vigyan Kendra (KVK), Raipur concluded on 28th November 2025. The training was sponsored by the National Fisheries Development Board, Hyderabad. A total of 25 trainees from different districts of Chhattisgarh actively participated in the program. In the inaugural session, Dr. Ajay Kumar Verma, Dean, Agricultural Engineering College, Raipur was present as the chief guest. During the program, Dr. Gautam Roy, Senior Scientist and Head, KVK, Raipur, he provided detailed information about the various fisheries-related activities being carried out at KVK Raipur. Training In-charge Dr. S. Sasmal, in his address, presented a detailed outline of the three-day training program. On this occasion, a technical bulletin prepared on the topic of "Composite Fish Farming System" was also released.

# अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मनाया गया

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) द्वारा कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में 17 दिसंबर 2025 को प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सहकारिता व कृषि क्षेत्र से जुड़े विषयों पर अपने ज्ञान एवं कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के पश्चात विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मोनिका नायक ने प्रथम, अनुष्का चौरसिया ने द्वितीय तथा किशन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में गरिमा झा प्रथम, रूपाली साहू द्वितीय एवं अनुष्का चौरसिया तृतीय स्थान पर रहीं।

निबंध प्रतियोगिता में तेजश्री ने प्रथम, ऋचा विशाल शर्मा ने द्वितीय तथा कुसुम सरकार ने तृतीय स्थान हासिल किया। समारोह में राज्य मुख्य अधिकारी, नैफेड श्री संजय कुमार सिंहने अपने संबोधन में कहा कि नैफेड किसानों के हित में देशभर में अनेक योजनाओं का संचालन कर रहा है। उन्होंने बताया कि नैफेड के माध्यम से किसानों द्वारा निर्मित स्टोरेज हाउस को किराए पर देकर उनकी आय बढ़ाई जा सकती है, जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश चंदेल ने नैफेड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्था अब केवल अनाज एवं दलहन की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि आयात-निर्यात के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। विशिष्ट अतिथि श्री रघुवीर सिंह रघुवंशी, निदेशक, नैफेड ने सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे के समन्वय से किया गया एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

# Celebrated International Year of Co-opreative

On the occasion of the International Year of Cooperatives 2025, the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED) organized a quiz, debate, and essay competition at the seminar hall of the College of Agriculture, Raipur, under Indira Gandhi Agricultural University, Raipur. More than 100 students participated enthusiastically in the event, showcasing their knowledge and skills on topics related to cooperatives and the agricultural sector.

The program began with the welcome of the guests. After the various competitions, the winners were awarded prizes by the Chief Guest of the program, the Vice-Chancellor, IGKV, Raipur, Dr. Girish Chandel. In the quiz competition, Monika Nayak secured first place, Anushka Chaurasia second place, and Kishan Kumar third place. In the debate competition, Garima Jha won first place, Rupali Sahu secured second place, and Anushka Chaurasia stood third. In the essay competition, Tejashree secured first place, Richa Vishal Sharma second place, and Kusum Sarkar third place.

Addressing the gathering, the State Chief Officer of NAFED, Shri Sanjay Kumar Singh, stated that NAFED is implementing several schemes across the country in the interest of farmers. He explained that farmers can increase their income by leasing storage houses constructed through NAFED, thereby becoming economically empowered and self-reliant. Highlighting the role of NAFED, Chief Guest Dr. Girish Chandel said that the organization is no longer limited to the procurement of food grains and pulses, but is also playing an active role in the field of import and export. The Special Guest, Shri Raghuveer Singh Raghuvanshi, Director, NAFED, emphasized that active participation of youth in the cooperative and agricultural sectors is the need of the hour. The program was organized under the coordination of Dr. Aarti Guhe, Dean of the College of Agriculture, Raipur.

# एनसीसी कैडेट्स का विमान चालन में प्रशिक्षण

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर अंतर्गत कृषि महाविद्यालय, रायपुर में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की दूरदर्शी सोच एवं मार्गदर्शन में एयर विंग नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) यूनिट की स्थापना की गई है। यह पहल विद्यार्थियों में समग्र शिक्षा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नवगठित 3ब्ळ एयर विंग एनसीसी यूनिट में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के 11 कैडेटों को सम्मिलित किया गया है। इन कैडेटों को ड्रिल, अनुशासन, वायुसेना उन्मुख गतिविधियों तथा विमानन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में संरचित प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि के साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर असम कृषि विश्वविद्यालय के बाद देश का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय बन गया है, जहाँ एयर विंग एनसीसी यूनिट की स्थापना हुई है। यह विश्वविद्यालय की विद्यार्थियों के समग्र एवं बहुआयामी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एयर विंग एनसीसी यूनिट की इंडक्शन गतिविधियों के अंतर्गत 16 दिसंबर 2025 को 11 कैडेटों का स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रायपुर में विमानन संबंधी शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे, 3CG एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर विवेक साहू सहित अन्य एनसीसी अधिकारी उपस्थित रहे थे।

# Training of NCC Cadets on Flying of Aircraft

Under IGKV, Raipur, an Air Wing National Cadet Corps (NCC) unit has been established at the College of Agriculture, Raipur, under the visionary leadership and guidance of the Vice-Chancellor, Dr. Girish Chandel. This initiative is a significant achievement toward strengthening the values of holistic education, discipline, leadership skills, character building, and nation-building among students.

In the newly constituted 3 CG Air Wing NCC Unit, 11 cadets from the College of Agriculture, Raipur have been inducted. These cadets will be provided with structured training and practical exposure in drill, discipline, Air Force–oriented activities, and various fields related to aviation. With this achievement, IGKV, Raipur has become the second agricultural university in the country—after Assam Agricultural University—where an Air Wing NCC unit has been established. This reflects the university's commitment to the holistic and multidimensional development of its students.

As part of the induction activities of the Air Wing NCC Unit, an educational visit related to aviation was organized on 16 December 2025 for the 11 cadets at Swami Vivekananda Airport, Raipur. On this occasion, the Vice-Chancellor of the university, Dr. Girish Chandel; the Dean, College of Agriculture, Raipur, Dr. Aarti Guhe; the Commanding Officer of 3CG Air Squadron NCC, Wing Commander Vivek Sahu; and other NCC officers were present.

# “राष्ट्रीय किसान दिवस” पर कार्यशाला

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस के अवसर पर आज 23 दिसम्बर 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती को किसान दिवस के रुप में हर वर्ष मनाया जाता है, जो स्वयं किसान थे एवं जिन्होंने किसानों के हित में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। श्री शिवराज सिंह चौहान, मान. कृषि मंत्री भारत सरकार द्वारा ऑनलाईन माध्यम से देश के समस्त किसानों को संबोधित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. गिरिश चंदेल, माननीय कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गां.कृ.वि. रायपुर ने की, साथ ही विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. जी.एल शर्मा, विभागाध्यक्ष, (फल विज्ञान विभाग) उपस्थित थे। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण पर कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर द्वारा लघु पुस्तिका का विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम में आनलाईन रुप से छ.ग. राज्य के 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसान उपस्थित रहे।

# Workshop on “National Farmers’ Day”

On the occasion of National Farmers’ Honour Day, a one-day workshop was organized on 23 December 2025 at the KVK, Raipur, under Indira Gandhi Agricultural University. The birth anniversary of the former Prime Minister of India, Chaudhary Charan Singh, is celebrated every year as Farmers’ Day, as he himself was a farmer and devoted his entire life to the welfare of farmers. On this occasion, the Hon’ble Union Minister of Agriculture, Shri Shivraj Singh Chouhan, addressed farmers across the country through an online platform.

Dr. Girish Chandel, Hon’ble Vice-Chancellor, IGKV, Raipur, participated in the program as the Chief Guest. The program was presided over by Dr. S. S. Tuteja, DES, IGKV, Raipur, while Dr. G. L. Sharma, HoD, Fruit Science, was present as the Special Guest. A booklet published by KVK, Raipur, under the “Viksit Bharat Guarantee for Employment and Livelihood Mission (Rural)” was also released on this occasion. Farmers from all 27 Krishi Vigyan Kendras of Chhattisgarh participated in the program online.

## सांस्कृतिक युवा महोत्सव “मड़ई 2025”

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में 26 से 29 दिसम्बर 2025 तक आयोजित चार दिवसीय 31वें अंतर महाविद्यालयीन युवा महोत्सव “मड़ई-2025’ का शुभारंभ 31 महाविद्यालयों के लगभग 900 विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता से हुआ। कृषक सभागार में आयोजित मड़ई 2025 की शुरूआत भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा से हुई जिसमें 31 कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने जिलों की लोक संस्कृति, लोक पर्व, स्थानीय रीति-रिवाज, तथा अन्य विशेषताओं को प्रदर्शित किया। पारंपरिक परिधानों में सजे इन सांस्कृतिक दलों ने स्थानीय लोक गीतों एवं लोक नृत्यों की अनुपम छटा बिखेरी। इन दलों ने छत्तीसगढ़ के प्रमुख नृत्यों का आकर्षक प्रस्तुतिकरण दिया। शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने महिषासुर मर्दन, रामनामी संप्रदाय, राम मंदिर, गौरा-गौरी, गणेश विसर्जन, राऊत

## Cultural Youth Festival “Madai 2025”

The four-day 31st Inter-College Youth Festival “Madai 2025”, being held from 26 to 29 December 2025 at IGKV, Raipur, was inaugurated with the participation of around 900 students from 31 colleges. The festival began at the Krishak Sabha Bhavan with a grand cultural procession, in which students from 31 agricultural colleges showcased the folk culture, traditional festivals, local customs, and distinctive features of their respective districts. Adorned in traditional attire, these cultural troupes created a mesmerizing atmosphere through local folk songs and dances, presenting captivating performances of the major dance forms of Chhattisgarh. During the procession, students from various colleges displayed tableaux centered on themes such as Mahishasur Mardan, the Ramnami sect, Ram Temple, Gaura–Gauri,

नाचा, अर्धनारिश्वर, कर्मा, पंथी, भगोरिया, आदि पर केन्द्रित झांकियों का प्रदर्शन किया। पर्यावरण संरक्षण में हसदेव बचाओ, अरावली बचाओ, भारतीय प्रौद्योगिकी विकास के विषयों पर सार्थक संदेश भी प्रस्तुत किये।

शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पद्मश्री माननीय अनुज शर्मा, विधायक भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह सास्कृतिक आयोजन विद्यार्थी जीवन की मधुर स्मृतियों के रूप में सदैव यादगार रहता है। साथ ही किसी भी विधा का अलग तरीके से प्रदर्शन करने से आपकी एक पहचान कायम होती है। मुझे हर्ष है कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी ने आत्मसात कर प्रदर्शन किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि मडई 2025 का आयोजन शिक्षा दीक्षा के साथ विद्यार्थियों को प्रतिभा प्रदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित चार दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन सांस्कृतिक युवा महोत्सव मड़ई 2025 का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा, कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.) एवं अध्यक्षता डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने की। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता कॉलेज टीम्स तथा विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। मड़ई 2025 युवा महोत्सव का ओवर ऑल चैम्पियन कृषि महाविद्यालय रायपुर को घोषित किया गया। कृषि महाविद्यालय अम्बिकापुर मड़ई 2025 का ओवर ऑल रनरअप रहा। शोभा यात्रा में प्रस्तुत झांकियों में कृषि महाविद्यालय राजनांदगांव को प्रथम तथा कृषि महाविद्यालय कांकेर को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। संगीत स्पर्धाओं में राजनांदगांव विजेता तथा कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर उप विजेता रहे। इसी प्रकार नृत्य प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय रायपुर विजेता तथा कृषि महाविद्यालय कांकेर उप विजेता रहे। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकों, टीम मैनेजर्स तथा विभिन्न आयोजन समितियों को अध्यक्षों एवं सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा, कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.) ने कहा कि यह एक चार दिवसीय सांस्कृतिक समागम है जो समस्त

Ganesh Visarjan, Raut Nacha, Ardhanarishwar, Karma, Panthi, Bhagoria, and others. Meaningful messages on environmental conservation, including "Save Hasdeo," "Save Aravalli," and themes related to Indian technological development, were also presented.

The Chief Guest of the inaugural ceremony was Anuj Sharma, MLA, Dharsiwa. He stated that such cultural events always remain cherished memories of student life. Presenting any art form in a distinctive manner helps establish one's identity. He expressed happiness that the younger generation has embraced and showcased the country's rich cultural heritage. Presiding over the program, Vice-Chancellor Dr. Girish Chandel said that Madai 2025, along with academic learning, provides students with a unique opportunity for talent expression and personality development.

The prize distribution and valedictory ceremony of the four-day Inter-College Cultural Youth Festival "Madai 2025", organized at IGKV, Raipur, was held today. The Chief Guest of the ceremony was Prof. (Dr.) Lovely Sharma, Vice-Chancellor, Indira Kala Sangeet University, Khairagarh, while the program was presided over by Dr. Girish Chandel, Vice-Chancellor, IGKV. Winners from various competitions, college teams as well as individual students, were felicitated. CoA, Raipur was declared the Overall Champion of Madai 2025, while CoA, Ambikapur emerged as the Overall Runner-up. In the tableaux presented during the procession, CoA, Rajnandgaon secured the first position, while CoA, Kanker won the second position. In the music competitions, Rajnandgaon emerged as the winner and College of Agril. Engg., Raipur as the runner-up. Similarly, in the dance competitions, CoA, Raipur won first place, while CoA, Kanker was the runner-up. On this occasion, judges of various competitions, team managers, and the chairpersons and members of different organizing committees were also honored.

Addressing the gathering, Chief Guest Prof. (Dr.) Lovely Sharma said that this four-day cultural confluence is an occasion of joy for all participants. On the occasion, she also presented a melodious rendition of Ganesh Vandana.

सहभागियों के लिए आनंद का अवसर है। उन्होंने इस अवसर पर सस्वर गणेश वंदना का भी प्रस्तुतिकरण किया। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह सांस्कृतिक प्रदर्शन विद्यार्थी जीवन का एक स्वर्णिय पल है जिसे हर व्यक्ति आजीवन मन में संजोए रहता है। यह आयोजन हार या जीत तक सीमित नहीं है परंतु प्रतिभा, व्यक्तित्व विकास एवं टीम के रूप में संगठित कार्य सीखने का सुअवसर है।

Vice-Chancellor Dr. Girish Chandel stated that the students presented an excellent display of Chhattisgarh's tribal art. Such cultural performances become golden moments of student life, cherished throughout one's lifetime. He emphasized that the festival is not limited to winning or losing; rather, it provides an excellent opportunity to learn talent enhancement, personality development, and teamwork.

- संरक्षक एवं मार्गदर्शक : डॉ. गिरीश चंदेल, माननीय कुलपति
- संयोजक : डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान
- कार्यकारी सम्पादक : संजय नैयर, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

**संपादक मण्डल**

- डॉ. धनंजय शर्मा, सह संचालक अनुसंधान
- डॉ. गणेशी लाल शर्मा, विभागाध्यक्ष, फल विज्ञान
- डॉ. रामा मोहन सावू, वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
- डॉ. शुभा बैनर्जी, सहायक प्राध्यापक, बायोटेक्नोलॉजी
- डॉ. रवि श्रेय, सहायक प्राध्यापक, कृषि अर्थशास्त्र

- Patron : Dr. Girish Chandel, Hon'ble Vice-Chancellor
- Convener : Dr. Vivek Kumar Tripathi, Director Research
- Executive Editor : Sanjay Nayyar, Information & Public Relations Officer

**Editorial Board**

- Dr. Dhananjay Sharma, Associate Director Research
- Dr. Ganeshi Lal Sharma, HOD, Fruit Science
- Dr. Rama Mohan Savu, Scientist, Agronomy
- Dr. Shubha Banerjee, Assistant Professor, Biotechnology
- Dr. Ravi Shrey, Assistant Professor, Agricultural Economics


प्रकाशक : जन संचार एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
Publisher : Mass Communication & Publication Cell, IGKV, Raipur (C.G.)

**इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)**
**Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur (C.G.)**

www.igkv.ac.in info@igkv.ac.in 0771-2442537 igkvkisan igkv_kisan IGKV-KISAN